

J-1137
M.A. (Final) Examination, 2021
HISTORY
Paper - II

(History of Marathas from 1647 to 1761 AD)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Minimum Pass Marks : 36

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

Note : Attempt any five questions. All questions carry equal marks.

- Q. 1.** शाहजी भोंसले की नीति, राजनीतिक जीवन तथा भारत के मराठा इतिहास में उनके स्थान का मूल्यांकन कीजिए।

Estimate the policy, political career of Shahji Bhonsle in Maratha History of India.

J-1137

P.T.O.

(2)

- Q. 2.** 1666 से 1673 के मध्य मुगल-मराठा संबंधों की प्रमुख प्रवृत्तियाँ दर्शाइए।

Exhibit the main trends of Mughal-Maratha relations between 1666 smf 1673.
- Q. 3.** राजा राम के शासन काल (1689-1700) में मराठा शक्ति की स्थिति स्पष्ट कीजिए।

Explain the position of Maratha power during the reign of Raja Ram 1689-1700.
- Q. 4.** ताराबाई की उपलब्धियों का मूल्यांकन कीजिए।

Estimate the achievements of Tarabai.
- Q. 5.** पेशवा बाजी राव प्रथम के समय मराठा-निजाम सम्बन्धों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

Describe in brief Maratha-Nizam relations under Peshwa Balaji Rao I.

J-1137

(3)

Q. 6. क्या आप इस कथन से सहमत हैं कि बालाजी विश्वनाथ मराठा साम्राज्य के द्वितीय संस्थापक थे ?

Do you agree with the view that Balaji Vishwanath was the second founder of Maratha Empire.

Q. 7. शिवाजी के चरित्र एवं उपलब्धियों का आलोचनात्मक विवेचन कीजिए।

Discuss critically the character and achievements of Shivaji.

Q. 8. एक सेनानायक के रूप में भाऊ की समीक्षा कीजिए। उनका त्रुटिपूर्ण नेतृत्व पानीपत में मराठा पराजय के लिए कहाँ तक उत्तरदायी था ?

Judge Bhau as a General. How far was the Maratha disaster at Panipat due to his faulty leadership ?

(4)

Q. 9. “संभाजी ने अपने दुखद अंत के कारण, अपने देशवासियों के हाथों क्रोध की उपेक्षा दया अधिक प्राप्त की।” विवेचना कीजिए।

“Sambhaji by his tragic end earned more pity than ire at the hands of his countrymen.” Discuss.

Q. 10. 1707 से 1761 तक मराठों की राजपूत राज्यों के प्रति अपनाई गई नीतियों का विवरण दीजिए।

Give an account of Maratha policies towards Rajput states from 1707 to 1761 A.D.